

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

प्रितिशुक्लधवताटकसम्पुष्पादिलह
काना ॥ ३ ॥ अहिनीसंठाकगुनूवाज
दिग्धलहावडां अलाव २ ऊनाममननरुस
दिग्धलहयभाच अगियसंलावा ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ४
नागनाट ॥ नक्तवर्धदहाप्रिनीलायनसुदेना २
असादभाहूजप्रहनधकिनरध ॥ ५ ॥ ॐ ॥ ५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥

वावानुधीमामकिदवी २ ऊमनयुमदिगमयधसुना
गध ॥ १ ॥ आगमवदयाननवर्षा २ आगधम
दिक्कागुनूउपदहध ॥ २ ॥ ॐ ॥ २
हुक्का २ सयाजजागिनीमासहनुडा ३ हुह
सकगुनूचन २ धसिजगनधनियामकनरि
वाखवजुधनयि ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ४

२॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥

अकारपधन२स्वकविसत्त्वउग्रधन२
हं हं न ना हं हं २ न ना न न हं हं ॥ १ ॥ वडा
गधजागधन२वजय० मूडाजागधन॥ २
वलसूरिखरहधन२सजंडधुसाहि यत्रडे
मायादहलीनजंगु२साहिरकननसत्वमहं ॥
जाग० गधनमासि ॥ गिचक्रनविसधिमधुलमा

५

अधिमिआनदमूजनिधजा२वजवाजाहिआलीग
धामस्वजा नाधमस्मिमहाकला ॥ ५० ॥ न ना हं हं
न ना हं हं २ न ना न न हं हं ॥ १ ॥ नीलवर्गच
कुवकायनिमूखविमजायनमानद मूजनिधजा२
विस्ववजअर्धवदुजनामकटधना हा गरुडन
साहिना ॥ २ ॥ वजय० गाऊचर्मधुसूरवलीगध

गिरिवनक ॥ ७

विलमानथ ॥ गिधना २ कनिकया नयनभूषणम्
वस्त्रमिलधनाया धृतमर्मकर्त्तव्यस्थिता ॥ ३ ॥ वि
गाविदिर्गकाकास्यादि रुमशकिनीदेवीसहजान
दमूनगिधना २ नमामि २ श्रीचक्रम् ॥ मन्त्राभक्त
गुनवन्धनधाराधिगा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ वाग ४
गंधाहेनवी ॥ गिरिवनकालिनमूनगिधना

गिरिवनक ॥ ७

यथायवगि ॥ ७ ॥ नाचनवजसुतयनभोग्यनी
नवगि ॥ १ ॥ नमिसहस्रकिनधदंशसहस्रसह
सुवगि ॥ २ ॥ वरुविहजयनविसहशीअन
नायनसत्ववगि ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ वाग ४
गिरिवनकालिनधकिशायिनसमलधती
यिकंवाकूनिलरुग २ रुद्रवा नमोनमगि

यामध्या २४ मकूटकेसदिगम्बला ॥ ॐ ॥ अथ न
 मानसम्बललाया समनर्णुड निमानकोला २४ म
 विजाहिनी वज्रवा नाहि रुदमहिमानुधमला ॥ १
 सार्तीलाय २४ अलसहमयन कर्ण नरुवयि
 कंताला २४ गगनीलावर्धे वदिनकगमनमधु
 लरुवजीना ॥ २ ॥ गिर्यधउषदहंकादिगम्बलसं

२४
 ११९०

म्वनययिसयिधुधरुगदाजा २४ मविनाहनी वज
 वा नाहिनी रुद्रविनूदे त्वमिअंधाना ॥ ३ ॥ गग
 अं गिनीलावज कलीयाउलठगरु नूवनधआ
 ना २४ समयाआनधु रुलिंगन मंगुलसंम्व
 लवजवा नाहि ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नाग कर्णदि ॥ गि
 हं गगययीआगिनीदे हं वादि २४ कसलेकलिस्

घ०८ कनहं न विहाना ॥ कु ॥ ऊ मा नी तु अ वा न
 खतहं न जिवयी २ गालामहवं विर्या न कमलसंयी
 वरिय ॥ १ ॥ ऊ पनहं ऊ गी निलय न ऊ यि २ म
 धी कूलवहिया न ऊ दियालसमा • नै २ सा हा ठ
 हय न धा ज क विर्या न २ च दु सं ख्य शय यं ऊ ध रु ना
 ऊ ॥ ३ ॥ रु न यि र ग भ दालि हम न कं इ न वि ना २

न न य धा दि मा ॥ उ रु य उ वि ना ॥ ४ ॥ उ रु य
 ना ग वि ला स ॥ उ दि ना क ले यि या य व ध धू ना २ ऊ न स
 ह म य कं का ग लं रु ना ॥ कु ॥ धा न इ रु न रु वा
 वि सं क लि ना २ अ रु व य नी ल रु न मा • क लं रु ना
 ॥ १ ॥ दि न क न म दि न रु म ध ग ना २ क न रु धा म न
 न स व स रु ना ॥ २ ॥ द रु धा अ लि रं य य नि

उ रु दि ना ॥ १११

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२

नीहमाशदेवाः स नमो भगवते ॥ ३ ॥ गमो भगवते
पवधपमिगुनरगमाशवज्जवानाहिरुहसिलगगन
मिना ॥ ४ ॥ ॐ ॥ नागकाभाद ॥ पुकलिन
हं काललाहवमूजकिं ॐ दनीलः खसमथ
मिदहाशविष्ठाजस्थिकवाधिकनर्धनत्रमकूटको
राधिर्य ॥ ५ ॥ नमामिथीयचंद्रवीनहवसिं

धनननर्धशविष्ठाताथगिरुवनव्यापिकं वनवसिं
सनकनर्ध ॥ १ ॥ अतननजानस्थिप्रुगिरुवनवी
नं सर्वरुष्ट्ररुष्ट्रमदगधनं शवामनर्जनी रुदियाठ
धनं रुवाचीशासनवंधधकनध ॥ २ ॥ नानान
वाहननोपजाकर्म्ममखलरुधिरुदेहादुष्टक
ननरिरुवमवदधं प्रिशुवननलायाप्रचंद्रवीनं ॥ ३

वक्रको गीता ॥ १२

विनाधिपति सर्वरुयहनर्ध प्रगपि चोष्मदिसाननम
॥ २ ॥ सजननजकादिवदि नघादं सर्वसिद्धिभाऊरु
सुदं ॥ ४ ॥ ॐ ॥ जाग-मानधी ॥ वक्र ॥ जागानीधी
हनडा लाया २ ग्रिहवनधधदहिम्य ॥ पारध ॥ ध्रु
यितयिनमहानसमहास ॥ कजिया २ वजदं वि
रुतयिया ॥ अनर्कनत्पारध ॥ १ ॥ उर्धना नी शिदल

अवनिनीहिता ॥ १३

कमलसंजाग्य २ दहि वीचासयि पतधमैरुदयि
॥ २ ॥ ॐ ॥ यिजभयकमहामखकनीया २ यथ
सिलठा विर्जवा २ ॥ ३ ॥ सकगुनूतनरधयुगध
वधुर्थरिषकं २ पारधस्वनिर्मैभनस ॥ सुडा ॥ ४
जाग-काभाड ॥ अवनीतिहि नकानूधीलसमदहा २
कंकलुनय रिखमवदना ॥ ध्रु ॥ कनाहं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नीलादि
 कयन इति स्वर्णिमं गंध २ यावत्तु मङ्गली त्रिहस्तं
 ॥ २ ॥ हस्तिहस्तवत्तु ३ ॥ दुस्तु माला २ माला विधुस्तु
 मिश्रकृत्य हस्तं ॥ ३ ॥ विविधं • नल्लभा नील
 रुमद ॥ २ ॥ रुगना ववा ॥ रुमल रुतदायकं ॥ ४
 वाग • गवत्तु मङ्गली ॥ चक्रि कृतं • कं थि • चक्र मङ्गल

रुषि न गोविन्द न न सिन माला २ सिन व • कु • चक्रि
 यिया रुम विरुषि न गगधक • रुदि वधू नीलाया ॥ ५
 यह मष्टी रुतु अमभा नू कोलाया • रुग • नाथणी नीस
 मललाया ॥ १ ॥ वज्रक शानक हाथ • धनीयाकं
 रथ कुर्या रुतु वली गंध २ सी पून जागीतीक मल्ल विधुस्तु
 लमहा रुतु मजित पुष्पाद ॥ २ ॥ वज्रवा ना रुतु

श्रीहवर्जनेमा॥१३॥

लिंगधसम्बल-ताचयितवहविवीहलरंगाश्वाकृती
कोलिलयियाकिञ्चिहज्जुअर्द्धरुवधरुतरध
प्रभादे॥ ३ ॥ सहजसंदधिलयिया मउंनिक
ध्याल-श्रीहज्जुअचनधप्रसादश्य हाअलिंग
धविदनि-श्रीहज्जुअविजागयिसत्यकनूध॥ ४
बाग-कर्कदि॥ श्रीहवर्जनेमादेवी-प्रितवधनाथ

१२

१३ श्रीजात॥१३॥

वैचजि-वायिकर्यथर्वर्धदहा॥ ध्रु ॥ नमामि
श्रीरामय-काग्रसेध-हनुकथीगुसन्धनी४वज्जुगि
नीधूत्यगा॥ १ ॥ पूर्वदिगीस्थिरुह-वदधम२दहि
धप्राकधनी-वामविंदधना॥ २ ॥ य-समनीवी
जागीनीदेवा-२गमउंनिलीलावजहंकात्रसंवजा॥
बाग-देधमग॥ मायांजातनिम्बसदधममनीना२म

हमातदयेकदिनमायामाह॥ ७८ ॥ नसेवा ॥ ७९
 साजा२जागदरवमाह॥ क्कादिनधीलआसा॥ १ ॥ अ
 नीमिषनयदृधनीया२जन्मजन्मली चिकइस्ने १३
 यद्वधइ॥ २ ॥ सहजसहायनयउ नागनधनी
 या२चवधपनमधवासनलूवे॥ ३ ॥ अडाधूडा
 इयनधयायापुसादि२गभडां किइखयायहवचकुगादि

बाग॥ व॥ दि॥ निर्मलगयरधगुरुभाहिनअरुणप्रणी
 महणीलायेधसमेलगहाव॥ ७८ ॥ लावयिअधी
 जागंम्वनविजा२यागीनीजालकूनरधनाचयि॥ १
 जाकिनीमधुलचकहूनयिया२मधु लकारधय
 ऊकलयिया॥ २ ॥ वजिधानीवनातीचडाता२सिं
 धिनीव नीजम्बूकउनकिनी॥ ३ ॥ जाकिनी

निर्मलगयरध॥ १११

मन्त्रविनाशकनृधर्मं गजसविनीविजस्य
 ॥ यै र्मन्त्रैः संहान्नश्रुधना ॥ ४ ॥ वागर्कजवी
 ज्यस्युक्तप्रपासदिगं विदिगं हवन्धसिन्मात्र
 हवन्धसिन्मात्रगगर्धस्यवजगगध • नूनं अर्धका
 वागगह्वउमचपं ह्व • क्रिया ॥ ५ ॥ हूं हूं न
 मा मि पं च्छा कि नो घं श्छ ग नि क्का म ग कि नो स

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

अत्रैतदर्थं ॥ २०

धनादविजकिनीर्जुपायसन्नधर्पं अमृडाहजध
विरुषिनाश्रवगश्वनकवजर्घ्यं ७८ खत्वांगयागुप
नमस्वतन्नातदेवि ॥ ४ ॥ ७० ॥ चागलती १६
अत्रैतदर्थं अतशीमंशुक्रमालाशसंघव अकिशर्मका
सदेहा ॥ ७१ ॥ देवशीमंशुधाखनह्वनव्यापि
नैशुष्कखगधनदहिवकुंनधना ॥ १ ॥ यामयूरु

विषय ॥ २०

कधनासचगुनजायाशयमयकासन्नदह ॥ २ ॥
दहितवामकनधनसन्नधनाश्वगुनमात्रदर्थं
पुनहा ॥ ३ ॥ ऊगनरहायालयुम् दिगहृद
याश्रुहिमकुभूखरुत्तयभदा ॥ ४ ॥ चागल
लीक ॥ विषयवित्त्वयतीनयवधर्मकागयात
यिवद्यालोनाहिकमत्तेशदहियिजिधविम्वस

श्रीमन्नरिसूननवज्जिनप्रिनीअहासमयस्थामस
 वधं॥ १॥ नममंशुधारं.कालचक्रं.हवजसम्बल
 विन्धनूर्यं२पयिषइर्मसंजारागसंरु वनीचज्ञास ११
 हजआनदसमयस्थानचूर्य॥ १ ॥ वेजयर्थ
 कसनकृकंमज्जनीकनामसंगीतिअऊाखधमन२
 ऊगनइखधमसन.वाधिदलदायक.ऊगधर्ममा

नूरावहृदयं॥ २॥ गुनवाळददधनीया.अर्ध
 रुवधकंविशामधिमकृनवद्यालीउगादिधनी
 या२उउवकापाग्रमजधपजम्यध्व कमर्यरुव
 धमज्जवाजाहरुवधं॥ ३॥ सयु माजादध
 संहावपजिहावतावृद्धधर्मसंघजधगनिया२
 गुनचननसिलंगनधनीया.गमआंजिसूननवज्ज

सर्वोक्तानां ॥ २२

ऊनऊनसुखवृद्धसुखार्थं ॥ ४ ॥ जागधनाथी
सर्वीका नाम महासुख ऊनाया च उ आन उदहा २
गिरुवधरुतयिमहागुखलाया च उ सुख्य १६
इयिमत्रिया ॥ ५ ॥ नयायत्रि यदधननी
न गिरुवधरुतयि २ सर्व वि कल्य विष
सुताद वि अ न रू च व न दा य धी ॥ १ ॥ अमि

गोरुम सुख उदयाच धि नि कल्यान न मि नू य ध
नी २ क न क्रिया गु ख ली ग ध नी यु ल्प ह्म न व न दा
य नी ॥ २ ॥ दि गं व न म कू ट क्शी च कि
कू ल क धि ध नी श ल च क भ य स पा य व
ध नी गी व न ड न ल सिल मा ला ॥ ३ ॥ सर्व न
था ग न ऊ न दी द वि वि ना हि क ल्य व अ ल व २

युक्तेवमाय ॥ २३

श्रीवज्रजागीनीचनधर्तितगभागभांमिरुम
नगवजा ॥ ४ ॥ यागः नवी ॥ यद्वत्तुमायनीह
समानूधकनकवर्धे अयुक्तसुतः क्षत्रीशु
रेजः माहस्वयीवृखवाहनचयध वलप्रिधु
नहर्मे ॥ ५ ॥ हं हं असुक्तमभा ॥ ११ ॥ नीलवर्धे
सहिर्मे असुक्ते नवगनय निवाहि काश असु

नीद्विसिद्धि अन्नयनमाऊयदाकासु मणिषाय
रयहनर्मे ॥ १ ॥ यथिमण्ड्रायनी हसिवाह
धर्ककूमवर्धे वज्रहर्मे २ दक्षिण वानाहिध
नधाजनय्य अकृतासहिनामहि स्वआगान ॥
२ ॥ ७७ ॥ ७७ ॥ चण्डिकादेवि धूमवद ॥ ११ ॥ कनकि
देवैवनालदमन्नसहिना २ नैमन विष्णुवीद

विगनूडवाहनसैखचक्रवाहिनी वायव्यनामदा
 दवि. कंकातीवदनसि हंवाहाहनखेजहर्म ॥ ३
 अग्नीदिगकार ॥ कमातीदेवी मय ॥ उवाह ॥
 नक्रनाक्रमदिबर्ध ॥ की धा नी ॥ ४ ॥ अष्ट
 कूरशलसमद्यादिना ॥ अग्रपा ॥ नडा ॥ इगर्भदेवी ॥ २
 पुनमा मिदेवी ॥ आना धिया ॥ नरु ॥ पु किमृगु

२०

२ मधुनाय ॥ १४

गिऊल्यसिद्धिदलदी ॥ ७ ॥ जाग ॥ वसं नमधूम ॥
 मधुनीयु शिंयत्त ॥ इयीथी ॥ कजात्ता ॥ २ सकलदेवगंधा
 वदि नयादं ॥ ६ ॥ मे शिआ दिव ॥ श्रीमरु ॥ क
 माता ॥ २ त्वं अशिव ॥ दिव्ययन्न ॥ नृ ॥ ५ ॥ कं ॥ क
 मज्जिजाणु ॥ हवि विष्वा ॥ २ सन्धा ॥ कि ॥ गहिजा ॥ कज
 वाविहाजा ॥ २ ॥ वीषय ॥ विरु ॥ म ॥ क ॥ न ॥ या ॥ जंग

मनह्यशक्तिविशेषाधिकारिणं गुणरूपं यं ह्युक्तं ॥ ३ ॥
 मङ्गगुणयजनमादि विद्रुआनात् ॥ २ ॥ भवति नित्यं
 गीतधवकलिका ॥ ४ ॥ वागवाग कनी ॥ हं २१
 हं देहवन्मंभालननूशंदाआलिंग धारागचन
 ॥ ५ ॥ ॥ हं ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 हं ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

त्वयन्तदहधनः ॥ १ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नकटयिश्नमह ॥ २ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वागगुंजली ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कूटनील इति यिगलव्यसा ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 प्रकृषागुधदविश् ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नरुनयनमिनी नूडमाला ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

इत्येवमनन ॥ २५ ॥

सतीजात्यय ॥ १ ॥ व्याघ्रवर्मद्वयप्रभाती धारवर्तन
 वादनसर्पकोला ॥ २ ॥ चनधरवनधीठगुजात्रो
 मागोशरुतयी अभाधवज्रवनीमगी ॥ ४ ॥ २२
 १ धयासुसंस्तु १०१२ मिडिद्वथ ३ स सिधया
 नादिनरुतथर् ॥ २० ॥ लोषिर्नकगवा
 हातया जीवर्जा जाअ ॥ ३ ॥ हाशवाया रुतथर् ॥

नासुनगागउधानति ॥ गलगचगिवाइकमलेमोहम
 भुलनोपुननम ॥ २ ॥ मादसमनशा
 नविशुषिकमखलद्य ॥ ३ ॥ उलासा ॥ मुनिवि ॥
 ॥ १ ॥ निनयना १ कचतिवत्यवगिर्तन ॥

